नवसर्जन संस्कृति

TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 217
दि. 08.12.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

एसआईआर के काम में देरी पर सीएम योगी नाराज, अलीगढ़-मुजफ्फरनगर में फर्जी वोट पर दिखे चिंतित

अलीगढ़ (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी ने अलीगढ़ में कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में हैं। उन्होंने इन दोनों जिलों में मतदाता सूची तैयार करने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जरूरत पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलिकॉप्टर एएमयू के वेलिंगडन क्रिकेट पवेलियन में उतरा। इसके बाद वह सीधे काफिले के साथ अलीगढ़ के कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे। सभागार में मुख्यमंत्री के पहुंचते ही उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने 'जय श्री राम' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में किसी भी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। कलेक्ट्रेट में बैठक समाप्त होने के बाद, मुख्यमंत्री छेरत पहुचे। यहाँ वह पूर्व मंत्री और बरौली से विधायक ठाकुर जयवीर सिंह के बेटे के तिलक समारोह में शामिल हुए। निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छेरत से ही अपने हेलीकॉप्टर द्वारा कोटद्वार के लिए उड़ान भरी।

यूपी योगी आदित्यनाथ ने 7 दिसंबर को अलीगढ़ में हुई मंडलीय समीक्षा बैठक में मतदाता सूची की सटीकता और तैयारी पर गंभीर चिंता व्यक्त की और जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में हैं। उन्होंने इन दोनों जिलों में मतदाता सूची तैयार करने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जरूरत पर जोर दिया।

विपक्षी दलों की तैयारी पर सतर्कता का निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची के निरीक्षण में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने विपक्षी पार्टियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि वे लोग 100 फीसदी क्षमता के साथ बेहद खामोशी से मतदाता सूची तैयार करने के काम में लगे हुए हैं। इसको देखते हुए आप लोगों को बेहद गंभीरता से काम करने की जरूरत है। शादी हो तब भी काम में लगे रहें।

सीएम योगी ने एसआईआर कार्य में देरी पर जताई नाराजगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में हुई देरी पर सख़्त नाराजगी जाहिर की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को

इसे अत्यधिक गंभीरता के साथ निपटाने का निर्देश दिया, खासकर तब जब इसकी अंतिम समय सीमा करीब है।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं, पुनरीक्षण कार्य में लाएं तेजी-सीएम योगी

एसआईआर के मंडलीय कार्यक्रम प्रभारी, पूर्व विधायक रामप्रताप सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री के निदेशों की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य पर विशेष जोर दिया है। सीएम ने विशेष रूप से अलीगढ़ शहर और कोल विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता पुनरीक्षण कार्य के देरी से शुरू होने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी को पूरी गंभीरता और तत्परता से काम करने को कहा।

"टोली" बनाकर काम करें, अवांछित नामों को हटाएं-सीएम

अलीगढ़ मंडल के अलीगढ़, हाथरस, एटा और कासगंज विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों को सीएम योगी कार्यप्रणाली पर भी मार्गदर्शन दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समाप्ति में केवल चार दिन शेष हैं। कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए 'टोली' (टीम) बनाकर काम किया जाए। सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि मतदाता सूची में किसी भी 'मृत' या 'बाहरी' व्यक्ति का नाम शामिल नहीं होना चाहिए, यह सुनिश्चित करने के लिए गहन समीक्षा की जाए।

एएमयू परिसर में सीएम योगी का हेलीकॉप्टर उतरना रहा चर्चा में

सीएम योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर एएमयू के क्रिकेट ग्राउंड मैदान पर उतरा। शहर में लोगों के बीच इस बात की चर्चा रही कि मुख्यमंत्री ने एएमयू परिसर में कदम रखा, जहां कुछ दिन पहले उनकी तस्वीर स्ट्रीट लाइटों से उतार ली गई थीं। कुछ समय पूर्व एएमयू परिसर में लगी स्ट्रीट लाइटों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें लगी थीं, जिन्हें परिसर से उतार लिया गया था। इस घटना को लेकर काफी विवाद हुआ था और संबंधित आरोपियों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया था। ये स्ट्रीट लाइटें विधान परिषद निधि से विश्वविद्यालय परिसर में लगाईं गईं थीं।

छात्रनेता को पुलिस ने किया नजरबंद

विद्यार्थियों से जुड़ी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन देने से पहले 6 नवंबर रात में छात्रनेता मोहम्मद मोहसिन मेवाती को पुलिस ने नजरबंद कर लिया। मोहसिन ने मुख्यमंत्री को लेकर ज्ञापन देने का ऐलान किया था। मोहसिन ने कहा कि यह तानाशाह सरकार छात्र विरोधी है।

प्रधानमंत्री ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री ने आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर सशस्त्र बलों के बहादुर पुरुषों और महिलाओं के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों के जवानों का अनुशासन, दृढ़ संकल्प और अदम्य साहस राष्ट्र की रक्षा करता है और देशवासियों को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण का उदाहरण है।

प्रधानमंत्री ने सभी से सशस्त्र बलों की वीरता और सेवा के सम्मान में सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, हम उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के

प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जो अटूट साहस के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करते हैं। उनका अनुशासन, दृढ़ संकल्प और भावना हमारे लोगों की रक्षा करते हैं और हमारे राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। उनकी प्रतिबद्धता हमारे राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण का एक सशक्त उदाहरण है। आइए, हम भी सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान दें।

उम्मीद केंद्रीय पोर्टल की समय सीमा पूरी हुई

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू द्वारा भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए 6 जून 2025 को शुरू किया गया केंद्रीय पोर्टल उम्मीद भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निदेशों

और उम्मीद अधिनियम, 1995 के अनुसार 6 माह की विंडो पूरी होने पर आधिकारिक तौर पर 6 दिसंबर 2025 (शनिवार) को अपलोड के लिए बंद कर दिया गया।

अंतिम गणना में, समय सीमा नजदीक आते ही गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुरुग्राम के रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ किया

भारत के संतों, ऋषियों और मुनियों की तपस्या और ध्यान राष्ट्र के शाश्वत ज्ञान का आध्यात्मिक आधार हैः उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने प्रसन्नता व्यक्त की कि महिलाओं के नेतृत्व वाली ब्रह्म कुमारी फाउंडेशन हमारे नागरिकों को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध कर रही है

तीव्र संसार में भावनात्मक संतुलन और विकसित भारत@2047 के लिए आंतरिक शांति के लिए ध्यान आवश्यक हैः उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज गुरुग्राम में ब्रह्म कुमारी के ओम शांति रिट्रीट सेंटर (ओएसआरसी) के रजत जयंती वर्ष समारोह का शुभारंभ किया।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने इस केंद्र के समारोह में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसकी स्थापना 24 वर्ष पहले ब्रह्म कुमारी के आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हुई थी और अब यह अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने केंद्र के शांति और ध्यान के संदेश की ओर आकर्षित होने वाले वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, प्रशासकों, राजनेताओं जैसे पेशेवरों की विविधता की सराहना की। उन्होंने ब्रह्म कुमारी को दुनिया के सबसे बड़े महिला-नेतृत्व वाले आध्यात्मिक संगठन के रूप में उभरने के लिए बधाई दी।

उपराष्ट्रपति ने आध्यात्म, ध्यान और अंतः जागरण में निहित भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत पर जोर दिया। उन्होंने संतों, ऋषियों और मुनियों के गहन योगदान को याद किया जिनकी तपस्या और ध्यान साधना ने भारत के शाश्वत ज्ञान को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि राजयोग और विपश्यना जैसी परंपराएं इस बात के महत्व को इंगित करती है कि सच्ची शक्ति और स्पष्टता भीतर से ही उभरती है।

श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने इस आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने और भारत तथा विदेशों में लाखों लोगों को मन की शांति और पवित्रता की ओर मार्गदर्शन करने के लिए ब्रह्म कुमारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमृत काल में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक विकसित भारत @2047 की कल्पना की है, जहां आर्थिक विकास, आंतरिक स्थिरता, प्रसन्नता और शांति पूरक हो। उन्होंने कहा कि आज के तीव्र संसार में ध्यान को एक आवश्यक जीवन कौशल के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति ओम शांति रिट्रीट सेंटर की दृढ़ प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल मिशन लाइफ के साथ तालमेल की भी सराहना की। यह मिशन लोगों को सचेतन जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने केंद्र की हरित पहलों की भी सराहना की जिनमें 1 मेगावाट का हाइब्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र, वर्षा जल संचयन प्रणालियां, बायोगैस और सीवेज शोधन संयंत्र, हरित रसोई, निःशुल्क पौध नर्सरी और कल्प तरु परियोजना के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति ने 'नशा मुक्त भारत अभियान' और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान तथा सभी क्षेत्रों में कर्मयोग को बढ़ावा देने वाली अन्य सामाजिक पहलों में ब्रह्म कुमारी के योगदान की सराहना की।

हाल ही में लखनऊ में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा ब्रह्म कुमारी के वार्षिक अभियान "विश्व एकता और विश्वास के लिए राजयोग ध्यान" के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए, श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने विश्वास व्यक्त किया कि रजत जयंती वर्ष सेवा के नए मार्ग खोलेगा, सामाजिक साझेदारी को और गहरा करेगा और आध्यात्मिक पहुंच को बढ़ाएगा।

साबरमती नदी के तट पर भव्य रूप से मनाया गया 'प्रमुख वरणी अमृत महोत्सव'

- केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में दिव्य समारोह आयोजित
- बीएपीएस प्रमुख महंत स्वामी महाराज ने आशीर्वचन दिए, प्रमुख स्वामी महाराज के प्रतिज्ञा पालन और परोपकार सहित कई गुणों का परिचय कराया

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह :-

- प्रमुख स्वामी महाराज ने भक्ति और सेवा को एक-दूसरे के साथ जोड़कर 'नर में ही नारायण' के वेद वाक्य को चरितार्थ किया
- प्रमुख स्वामी महाराज ने अपने आचरण से सनातन धर्म का संदेश फैलाकर धीरे-धीरे कम होती जा रही भागवत श्रद्धा को पुनर्स्थापित किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- संतों के सान्निध्य में रहने से 'जो करता है, वह हरि करता है' का भाव और धर्मनिष्ठा के गुण आते हैं

गांधीनगर, 07 दिसंबर : बोचासणवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के प्रमुख के रूप में प्रमुख स्वामी महाराज को नियुक्त किए जाने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रविवार को अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर प्रमुख वरणी अमृत महोत्सव मनाया गया।

यह भव्य और दिव्य समारोह केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज के गुणों से जीवन का सार निकाला जा सकता है और जीवन के लिए उपयोगी बातें अपनाई जा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि साबरमती नदी के तट पर भी प्रमुख स्वामी के जीवन के 75 गुणों को नौकाओं के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है, जो लोगों को जीवन जीने का मार्ग दिखाने का काम करता है।

श्री शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी

महाराज के जीवन और योगदान की दृष्टि से देखें, तो उन्होंने एक ओर तो अध्यात्म और वैष्णव दर्शन को व्यापक बनाया, और व्यापक बनाने से भी बड़ा कार्य उसे व्यावहारिक बनाने का किया। उन्होंने भक्ति और सेवा, दोनों को एक-दूसरे के साथ जोड़कर 'नर में नारायण' के हमारे वेद वाक्य को बिना कुछ भी कहे चरितार्थ करने का काम किया है।

श्री शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज करुणा के माध्यम से दूसरे जीव का उद्धार करने की हमारी वर्षों पुरानी ऋषि संस्कृति को फैलाकर न केवल स्वामीनारायण संप्रदाय, बल्कि पूरे सनातन धर्म के लिए बहुत बड़ा काम किया है। उन्होंने सनातन धर्म के अनेक संप्रदायों में संत का तत्व संचित करने का काम कोई उपदेश दिए बिना ही किया और संत समाज की संन्यास व्यवस्था को सुदृढ़ किया।

श्री शाह ने कहा कि धीरे-धीरे समाज में भागवत श्रद्धा कम होते जा रही थी, तब प्रमुख स्वामी महाराज और उनके हजारों संतों ने अपने आचरण से सनातन धर्म के लिए संदेश फैलाकर उस श्रद्धा को पुनर्स्थापित किया है।

उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म ने इतने हजारों वर्षों की यात्रा में अनेक संकटों का सामना किया। आजादी के बाद संत समाज और संन्यास व्यवस्था के प्रति समाज की श्रद्धा कम होना, यह सबसे बड़ा संकट था। इस संकट से बाहर आने के लिए प्रमुख स्वामी महाराज ने उपदेश का एक भी शब्द कहे बिना, अपने और अपने अनुयायी संतों के आचरण के जरिए एक सुंदर मार्ग ढूंढ़ निकाला, जो आज सनातन धर्म के संन्यासियों के लिए मार्गदर्शक बन गया है।

श्री शाह ने साबरमती नदी के तट को संतों के समर्पण का साक्षी बताया। उन्होंने दधीचि ऋषि का उदाहरण दिया और कहा कि इसी साबरमती के तट से महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के शस्त्र से देश को स्वतंत्रता दिलाई।

उन्होंने कहा कि इसी अहमदाबाद में आमलीवाळी पोळ (इमलीवाली पोल) में प्रमुख स्वामी महाराज ने प्रमुख पद की सेवा स्वीकार की और 1950 से 2016 तक उनके द्वारा किए गए सभी कार्य आज समग्र देश के सभी संप्रादयों के लिए उदाहरणीय बने हैं।

श्री शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि आज के कार्यक्रम से आमलीवाळी पोळ न केवल गुजरात या भारत, बल्कि समग्र विश्व के लिए मुलाकात का अविस्मरणीय स्थान बनेगी।

उन्होंने जोड़ा कि स्वामीनारायण संप्रदाय की विशेषता यह है कि इस कार्यक्रम की रचना संप्रदाय के गुणगान के लिए नहीं, बल्कि समाज की शिक्षा के लिए है और समाज के भीतर मौजूद अनेक प्रकार की बुराइयों को दूर करने के लिए की गई है। यह कार्यक्रम इस बात का बहुत बड़ा बोध बनने वाला है कि संत का जीवन कैसा होना चाहिए और संत जीवन से क्या सीखना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इस समारोह से जब लोग जाएंगे, तब सेवकों की सेवा-निष्ठा के गुण लेकर जाएंगे। यहां उपस्थित कई लोगों ने सत्संग के गुण अपने जीवन में उतारे हैं, जो स्वयंसेवकों के सेवाभाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिलते हैं।

उन्होंने कहा कि इन हरिभक्तों में यह गुण प्रमुख स्वामी महाराज तथा अन्य संतों के सान्निध्य में रहने से आया है। पैसे लेकर काम करना हो, तो भी ऐसी सेवा लोगों से नहीं होती है, परंतु यहां लाखों ऐसे भक्त हैं, जो पैसे भी देते हैं और सेवा भी देते हैं। सेवकों में 'जे करे, ए हरि करे' (जो करता है, वह हरि करता है) का भाव है।

श्री पटेल ने समझाया कि सफलता मिले, तो लोग 'स्व' की वाहवाही करते हैं, जबकि विफलता में लोग हरि को याद करते हैं, लेकिन सच्चा मर्म यह है कि जो कुछ होता है, वह भगवान करते हैं। सत्संग का सार यह है कि जीवन का मर्म समझ में आए और संतों से ही वही समझना है।

इस अवसर पर विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज का समग्र जीवन हमारे लिए गुणों के प्रेरणापुंज समान है, जिसका शब्दों में वर्णन कर पाना संभव नहीं है। अपनी हर सांस को लोक कल्याण के लिए समर्पित करने वाले प्रमुख स्वामी महाराज के व्यक्तित्व को समझने के लिए जीवन छोटा पड़ेगा।

उन्होंने जोड़ा कि प्रमुख स्वामी महाराज के नाम स्मरण मात्र से ही अंतर में शांति स्थापित हो जाती है।

बोचासणवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के प्रमुख महंत स्वामी महाराज ने इस अवसर पर आशीर्वचन देते हुए कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज ने प्रमुख होने के बावजूद जीवनभर दास भाव से सेवा ही की। उनके जीवन के गुण अनन्य हैं।

महंत स्वामी ने अपनी युवावस्था की स्मृति ताजा करते हुए प्रमुख स्वामी महाराज के प्रतिज्ञापालन, परोपकार आदि गुणों का परिचय कराया।

इस समारोह में युवाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की गईं। इस

पश्चिम रेलवे चलाएगी बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा - मदार के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की सुविधा तथा यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने एवं अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा - मदार स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09604/09603 बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा - मदार सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09604 बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल मंगलवार, 09 दिसम्बर 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 15:10 बजे दुगार्पुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09603 मदार - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को मदार से 18:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनो दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों पर ठहरेंगी। मदार स्टेशन से प्रस्थान करनेवाली ट्रेन संख्या 09603 का किशनगढ़, जयपुर और दुगार्पुरा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में AC-2 टियर, AC-3 टियर, AC-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09604 की बुकिंग 08.12.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

केवल वित्तपोषण ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शन भी स्टार्टअप्स की अगली पीढ़ी को आकार देगा: डॉ. जितेंद्र सिंह

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत में स्टार्टअप्स की अगली लहर को बढ़ावा देने के लिए मेंटरशिप एवं जोखिम लेने की संस्कृति पर बल दिया

विचारों से बाजार तक: सरकारी प्लेटफॉर्म स्टार्टअप्स को वित्त पोषण एवं उद्योग से जोड़ रहे हैं: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्टार्टअप्स को भारत के भविष्य के विकास का एक प्रमुख चालक बताते हुए कहा कि केवल वित्तपोषण ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शन भी स्टार्टअप्स की अगली पीढ़ी को आकार देगा।

मंत्री ने आज यहां भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) में उद्यमियों और छात्रों के साथ बातचीत करते हुए मजबूत मार्गदर्शन, अनुसंधान में जोखिम उठाने और युवा नवप्रवर्तकों को सहायता प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

महोत्सव के दूसरे दिन ह्यस्टार्टअप जर्नीह्न पर एक पैनल चर्चा के दौरान, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत विज्ञान शिक्षा तक सीमित पहुंच जैसी स्थिति से एक ऐसे चरण में पहुंच गया है जहां अवसरों का लोकतांत्रिकीकरण हो रहा है तथआ छोटे शहरों एवं सामान्य पृष्ठभूमि की प्रतिभाओं को उद्यमिता का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान नीतिगत मुद्दों से हटकर विचारों को बाजार से जोड़ने वाले सहायक तंत्रों के निर्माण पर केंद्रित हो गया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निरंतर प्रयासों से बार्क, राष्ट्रीय मिशन और क्षेत्र-विशिष्ट कार्यक्रमों जैसे योजना बनाने में मदद मिली है, जो स्टार्टअप्स को वित्त पोषण, उद्योग भागीदारों एवं मार्गदर्शकों से जोड़ते हैं। इस बात पर बल देते हुए कि नवाचार में अनिवार्य रूप से विफलता शामिल होती है, उन्होंने कहा कि अगर स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ना है और प्रतिस्पर्धा करनी है, तो भारत को अनुसंधान एवं विकास में जोखिम की पहचान एवं स्वीकार करना सीखना होगा।

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे विज्ञान की प्रगति से भारत में रोजमर्रा की ज़िंदगी बदल गई है।

माननीय सांसद श्रीं मितेषभाई पटेल और माननीय मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी ने हरी झंडी दिखाकर की वासद - कठाणा खंड पर डेमू सेवा की शुरूआत

आणंद के माननीय सांसद श्रीं मितेषभाई पटेल, गुजरात सरकार के माननीय खाद्य विभाग,नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता सुरक्षा मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी तथा उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा आज, 7 दिसंबर, 2025 को कठाणा में आयोजित समारोह में कठाणा से डेमू को हरी झंडी दिखाकर वासद - कठाणा खंड पर इस सेवा को पुनर्बहाल किया गया। इस अवसर वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके एवं मंडल के वरिष्ठ अन्य अधिकारी, प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित थी। उद्घाटक सेवा के रूप में यह डेमू ट्रेन कठाणा से वासद के बीच परिचालित की गई । 8 दिसंबर, 2025 से यह डेमू अपनी नियमित सेवा के रूप में कठाणा और वडोदरा के बीच परिचालित होगी। माननीय जनप्रतिनिधियों ने डेमू सेवा में सफर भी किया।

आणंद के माननीय सांसद श्रीं मितेषभाई पटेल ने वर्षों बाद जनता की मांग पर इस सेवा को पुनः शुरू किये जाने पर खुशी जाहिर की। श्री पटेल ने कठाणा के लोगो को बधाई देते हुए कहा कि यह ट्रेन शुरू होने से स्थानीय निवासियों को काफी सहूलियत होगी। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी जी का आभार प्रकट किया कि वो अपने व्यस्त जीवन में भी राष्ट्र की जनता की चिंता करते है और गुजरात में भयंकर बाढ़ के बाद उन्होंने गुजरात सरकार और रेल मंत्री जी के साथ जनता की परेशानिया दूर करने की योजना बनाई। उन्होंने माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का भी धन्यवाद किया, जिनके निर्देश पर यह सपना साकार हुआ। उन्होंने वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के पॉजिटिव सपोर्ट का भी धन्यवाद दिया। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक से ट्रेन के स्टॉपेज बढ़ाने और इस मार्ग पर भविष्य में इलेक्ट्रिक ट्रेन चलाने की मांग की।

गुजरात सरकार के माननीय खाद्य विभाग,नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता सुरक्षा मंत्री श्री रमणभाई सोलंकी ने जनमानस को सम्बोधित करते हुए बताया कि इस ट्रेन को कोरोना काल के बाद दुबारा चलाने की मांग सोशल मीडिया पर भी लोगों द्वारा जोर शोर से हो गए थी।आज जनता का सपना साकार हो रहा है और कोरोना काल के बाद इस रेलखंड पर पुनः यह डेमू ट्रेन शुरू हो रही है। उन्होंने माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का विशेष तौर पर धन्यवाद किया, जिनके विशेष प्रयासों से डेमू ट्रेन की शुरूआत हुई, जिससे कठाणा और आस पास के क्षेत्रों से रोजगार एवं शिक्षा के लिया वडोदरा जाने वाले युवाओं, आस पास के गांव की जनता को इस ट्रेन के दुबारा शुरू होने से लाभ मिलेगा। उन्होंने लोगो से इस ट्रेन से ज्यादा से ज्यादा सफर कर सहयोग करने का भी अनुरोध किया, जिससे बढ़ती मांग को देखते हुए इसमें कोचों की संख्या बढ़ाई जा सके और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस सुविधा का लाभ मिल सके।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में वडोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने मुख्य अतिथि, माननीय जनप्रतिनिधिओं एवं अन्य अतिथिगणों का स्वागत किया तथा माननीय सांसद श्री मितेषभाई पटेल द्वारा रेल सुविधाएँ बढ़ाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की।

एमएनआरई ने सतत उद्योग विकास को बढ़ावा देने के लिए सौर विनिर्माण तंत्र में संतुलित, सुविचारित वित्तपोषण का आह्वान किया

एमएनआरई ने वैश्विक सौर मूल्य श्रृंखला में भारत की स्थिति को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई

नए नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण को रोकने या बंद करने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया गया है

(जीएनएस)।

भारत ने अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त कर लिया है। भारत ने इसे पेरिस समझौते में राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के तहत निर्धारित लक्ष्य से पांच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया है।

31 अक्टूबर 2025 तक, गैर-जीवाश्म स्रोतों से स्थापित क्षमता लगभग 259 गीगावाट है, जिसमें चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर 2025 तक 31.2 गीगावाट की वृद्धि हुई है।

कई स्थानों पर यह खबर आ रही है कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने अधिक्षमता की चिंताओं के बीच ऋणदाताओं को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नए वित्तपोषण को रोकने के लिए परामर्श जारी किया है।

एतद्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि एमएनआरई ने वित्तीय संस्थाओं को नवीकरणीय ऊर्जा विद्युत परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण संयंत्रों को ऋण देना बंद करने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है।

तथापि, एमएनआरई ने वित्तीय सेवाएं विभाग और पीएफसी, आरईसी तथा आईआरईडीए जैसी एनबीएफसी को सौर पीवी विनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान स्थापित घरेलू विनिर्माण क्षमताओं की स्थिति की जानकारी दी है जिसमें सौर मॉड्यूल और सौर सेल, इनगॉट-वेफर्स, पॉलीसिलिकॉन जैसे अपस्ट्रीम चरण और साथ ही सौर ग्लास तथा एल्युमीनियम फ्रेम जैसे सहायक उपकरण शामिल हैं ताकि वित्तीय संस्थान सौर पीवी विनिर्माण क्षेत्र में किसी भी विनिर्माण संयंत्र के वित्तपोषण के प्रस्तावों का मूल्यांकन करते समय एक संतुलित तथा सुविचारित दृष्टिकोण अपना सके और केवल सौर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्रों के वित्तपोषण तक सीमित रहने के बजाय, सौर सेल, इनगॉट-वेफर्स और पॉलीसिलिकॉन जैसे अपस्ट्रीम चरणों के साथ-साथ सौर ग्लास तथा एल्युमीनियम फ्रेम जैसे सौर मॉड्यूल सहायक उपकरण आदि के लिए अपने सौर पीवी विनिर्माण पोर्टफोलियो का पता लगा सकें और उसका विस्तार कर सकें।

भारत सरकार सौर पीवी विनिर्माण में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और देश को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता को कई व्यापक पहलों के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है जिसमें उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए पीएलआई योजना और भारतीय निमार्ताओं को समान अवसर प्रदान करने के उपाय शामिल हैं।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि एआई और मशीन लर्निंग आधारित अनुप्रयोग भारत के विद्युत क्षेत्र में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

सक्रिय उपभोक्ता जुड़ाव सफल प्रौद्योगिकी अपनाने की कुंजी है

(जीएनएस)।

विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित अनुप्रयोग बुद्धिमान, उपभोक्ता-केंद्रित, स्व-अनुकूलित वितरण नेटवर्क के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मंत्री महोदय आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में विद्युत वितरण क्षेत्र में एआई/एमएल प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि एआई/एमएल आधारित समाधान, स्मार्ट मीटर एनालिटिक्स, डिजिटल ट्विन्स, पूवार्नुमानित रखरखाव, चोरी का पता लगाने वाली इंटेलिजेंस, उपकरण-स्तरीय उपभोक्ता अंतर्दृष्टि, स्वचालित आउटेज पूवार्नुमान और जेनएआई-

आधारित निर्णय समर्थन उपभोक्ता अनुभव और परिचालन दक्षता दोनों को बदल सकते हैं।

श्री मनोहर लाल ने राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्योग, राज्यों, नवप्रवर्तकों, शिक्षाविदों और प्रौद्योगिकी भागीदारों की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की। उन्होंने वितरण कंपनियों (डिस्कॉम), उन्नत मीटरिंग अवसंरचना सेवा प्रदाताओं (एएमआईएसपी), प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाताओं (टीएसपी) और गृह स्वचालन समाधान प्रदाताओं (एचएएसपी) द्वारा प्रस्तुत एआई/एमएल उपायों की प्रशंसा की।

मंत्री महोदय ने सभी डिस्कॉम कंपनियों से स्मार्ट, विश्वसनीय और उपभोक्ता-केंद्रित वितरण प्रणालियों की ओर बढ़ने के लिए इको-सिस्टम के साथ हितधारकों को मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को सक्रिय रूप से शामिल करने की भी आवश्यकता है। नई तकनीकों के बारे में कभी-कभी होने वाली गलत सूचनाओं को दूर करना और इस क्षेत्र में तकनीक को अपनाने के लिए उपभोक्ताओं का बहुमूल्य समर्थन हासिल करना महत्वपूर्ण है।

श्री लाल ने कहा कि एआई/एमएल आधारित समाधान प्रौद्योगिकी के एक शक्तिशाली आख्यान को उजागर करते हैं जो विश्वास बहाल करता है, परिवारों को अपनी खपत को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए सशक्त बनाता है, बिजली कटौती को होने से पहले ही रोक देता है

संघर्ष को शक्ति में बदलना: रायपुर-विजाग कॉरिडोर का मानवीय प्रभाव

आगामी रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा उन लोगों के लिए एक लंबे समय से प्रतीक्षित समाधान जैसा लगता है जिनकी आजीविका इन दोनों शहरों के बीच के मार्ग पर निर्भर करती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित किया जा रहा रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा, छत्तीसगढ़ के जंगलों, ओडिशा के खनिज-समृद्ध क्षेत्रों और आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों तक फैला हुआ है। यह गलियारा कुल 16,482 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है और इसके दिसंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे मौजूदा एनएच-26 की 597 किमी की दूरी घटकर 465 किमी हो जाएगी - जिससे दूरी में 132 किमी और यात्रा समय में लगभग सात घंटे की बचत होगी। इससे ईंधन की बड़ी बचत होगी, जनता और माल ढुलाई ऑपरेटरों के लिए परिवहन लागत कम होगी।

जो काम पहले 12 घंटे में पूरा होता

था, वह अब केवल 5 घंटे में पूरा हो जाएगा और प्रधानमंत्री गति शक्ति विजन के तहत तेज लॉजिस्टिक्स और निर्बाध कनेक्टिविटी के द्वार खुलेंगे। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के उद्योगों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा क्योंकि वे सीधे विशाखापत्तनम बंदरगाह और चेन्नई-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ जाएंगे। इसका मतलब होगा बंदरगाहों और औद्योगिक केंद्रों से बेहतर कनेक्टिविटी, तेज निर्यात, सुचारू आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार को एक मजबूत बढ़ावा, जिससे लॉजिस्टिक्स दक्षता में भारी वृद्धि होगी। यह गलियारा पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और रोजगार सृजन तथा रियल एस्टेट विकास के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देगा।

तथ्य

6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश को जोड़ता है, यह 465 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है, 7 घंटे और 132 किलोमीटर की दूरी कम करने में मदद मिलेगी, वित्त वर्ष 2026-27 में जनता के लिए खोला जाएगा, आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक तीव्र पहुंच, घर से दूर रातें बिताने वाले ट्रक ड्राइवरों, अपनी उपज के बाजार पहुंचने का बेसब्री से इंतजार करने वाले किसानों और नए अवसरों की तलाश में जुटे परिवारों के लिए यह गलियारा एक ज़्यादा आशाजनक भविष्य की ओर ले जाने वाला रास्ता लगता है। रायपुर से विशाखापत्तनम तक नियमित रूप से माल भेजने वाले एक ट्रक मालिक विशाल कहते हैं कि यह नया गलियारा ट्रांसपोर्टरों के काम करने के तरीके में आमूल-चूल परिवर्तन लाएगा।

बिहार में 'पाताल लोक' में शराब का खजाना! गुप्त तहखाने से 100 पेटियों में छिपी 955 लीटर विदेशी बोतलें

(जीएनएस)।

बिहार के शराबबंदी कानून को धता बताने वाले माफिया अब भूमिगत होकर भी कारोबार चला रहे हैं। समस्तीपुर जिले के कपूर्रीग्राम थाना क्षेत्र में पुलिस की एक छापेमारी ने सबको हैरान कर दिया। जमीन के नीचे 'पाताल लोक' सरीखा सीक्रेट तहखाना बनाकर छिपाई गई 955 लीटर महंगी विदेशी शराब बरामद हुई, जो करीब 100 पेटियों में पैक थी।

मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने इस 'फिल्मी' छिपाने की कला को नाकाम कर दिया। छापेमारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें अधिकारी खुदाई कर शराब की पेटियां निकालते नजर आ रहे हैं।

यह कार्रवाई शनिवार को गुप्त सूचना पर की गई। उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक मुकेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने नीरपुर वार्ड संख्या-1 के एक खेत में पहुंचकर सघन तलाशी ली। ऊपर से सामान्य दिखने वाली जमीन के नीचे माफिया ने गहरा तहखाना खोद रखा था- ऐसा कि किसी को भनक भी न लगे। तहखाने से निकली शराब में रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज जैसी प्रीमियम ब्रांड की तीन वैरायटी शामिल हैं। बरामद शराब

की अनुमानित कीमत लाखों में बताई जा रही है, जो अवैध बाजार में आसानी से बिक जाती।

माफिया की चालाकी: जमीन खोदकर बनाया 'अदृश्य' गुप्त कक्ष

उत्पाद अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया, 'शराब कारोबारियों ने बेहद सोच-समझकर यह तहखाना तैयार किया था। खेत के बीचोंबीच गहराई तक खुदाई की गई और ऊपर मिट्टी-पत्थरों से ढक दिया, ताकि हवाई निगरानी या सामान्य जांच से बच सकें। लेकिन हमारी खुफिया टीम की सतर्कता ने उनके मंसूबों को ध्वस्त कर दिया।' इस बरामदगी से न केवल माफिया को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ, बल्कि जिले में शराब तस्करी के नेटवर्क पर भी सवाल खड़े हो गए। विभाग ने साफ कहा कि आगे ऐसे अभियानों की तीव्रता बढ़ाई जाएगी, ताकि शराबबंदी कानून को मजबूत किया जा सके।

वीडियो में दिख रहा है कि टीम ने खुदाई मशीनों का सहारा लिया। जैसे-जैसे मिट्टी हटी, पेटियां बाहर आईं- एक के बाद एक। स्थानीय लोग भी इस 'भूमिगत खजाने' को देखकर दंग रह गए। एक ग्रामीण ने कहा, 'यह तो किसी थ्रिलर फिल्म जैसा लग रहा है। माफिया कितने बेशर्म हैं!'

बिहार में शराबबंदी: माफिया के नए-नए जुगाड़, लेकिन सख्ती जारी

बिहार में 2016 से लागू शराबबंदी एक क्रांतिकारी कदम था, जिसका उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों को कम करना, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाना और सामाजिक सुधार लाना था। इस कानून के तहत शराब की खरीद-बिक्री, निर्माण, भंडारण, परिवहन और सेवन पर सख्त पाबंदी है। उल्लंघन करने वालों को 10 साल तक की सजा और भारी जुमार्ना हो सकता है। लेकिन माफिया रुके नहीं- पिछले महीनों में एंबुलेंस, फल-सब्जियों के ट्रकों और यहां तक कि वाहनों के तहखानों में शराब तस्करी के कई केस पकड़े गए। जून में जमुई में कटहल के नीचे छिपाकर 710 लीटर शराब लाई जा रही थी, जबकि अक्टूबर में कैमूर में वाहनों के गुप्त कक्षों से 310 लीटर जब्त हुई।

समस्तीपुर जैसे जिलों में तस्करी का केंद्र बनने की आशंका है, क्योंकि यहां झारखंड और उत्तर प्रदेश की सीमाएं सटी हैं। उत्पाद विभाग का दावा है कि 2025 में अब तक 5,000 लीटर से अधिक शराब नष्ट की जा चुकी है। फिर भी, विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता अभियान और तकनीकी निगरानी (जैसे ड्रोन सर्विलांस) बढ़ाने की जरूरत है।

यह घटना बिहार सरकार के लिए चुनौती तो है, लेकिन विभाग की तत्परता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कानून का पालन कराने का इरादा पक्का है। माफिया के 'पाताल लोक' अब भी सुरक्षित नहीं रहेंगे।

सरस फूड फेस्टिवल 2025 : स्वाद, संघर्ष और लखपति दीदियों के सशक्तिकरण की कहानियाँ

(जीएनएस)।

दिसंबर की एक ठंड भरी सुबह, दिल्ली के सुंदर नर्सरी भारत के बेहतरीन क्षेत्रीय व्यंजनों का स्वाद चखने के लिए उत्सुक भीड़ की चहल-पहल से गुलजार थी। लेकिन प्रवेश द्वार के पास एक स्टॉल पर कुछ और ही चीज लोगों को अपनी ओर खींच रही थी, आत्मविश्वास की ऐसी रोशनी, जो किसी ऐसे व्यक्ति से निकलती है जो जानता है कि उसने न केवल अपना जीवन बदला है, बल्कि सैकड़ों अन्य लोगों की ज़िंदगी भी बदल दी है। काउंटर के पीछे मोहाली, पंजाब की श्रीमती वंदना भारद्वाज बेहद सरलता अपनी फुलकारी के कपड़े सजा रही थीं। हांलांकि फुलकारी की चमकीली कढ़ाई सर्दियों की धूप में झिलमिला रही थी, लेकिन यह उनकी ज़िंदगी की कहानी थी, जो उससे भी ज्यादा चमक रही थी। उन्होंने 2018 में एक छोटे से स्वयं सहायता समूह की दस महिलाओं में से एक के रूप में अपनी यात्रा शुरू की, जहां वे अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को संभालते हुए घर पर फुलकारी की सिलाई करती थीं। उनकी क्षमताएं जल्द ही उभर कर दिखने लगीं। पहले, उन्होंने अपने ग्राम संगठन में 19 स्वयं सहायता समूहों का नेतृत्व संभाला और बाद में वंदना 25 गाँवों में 500 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का नेतृत्व करने लगीं, जो कई औपचारिक संस्थाओं से भी बड़ा एक सामुदायिक उद्यम है। सरस फूड फेस्टिवल 2025 में उनके स्टॉल पर न सिर्फ.कारीगरी के उत्पाद, बल्कि

महिलाओं की सामूहिक प्रगति और सशक्तिकरण की झलक भी दिखाई देती है।

वंदना दीदी बताती हैं, "सरकार ने हर कदम पर हमारा साथ दिया।" हमें ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से सिलाई मशीनें और 30,000 रुपये की कार्यशील पूंजी मिली। इन प्रयासों ने हमें फुलकारी सिलाई को एक असल उद्यम में बदलने में मदद की। उनके नेतृत्व में, ग्रामीण महिलाएँ अब स्वेटर, स्कूल यूनिफॉर्म और विशेष रूप से बेहतरीन फुलकारी कपड़ों सहित कई प्रकार की उत्पाद तैयार करती हैं। उनकी कारीगरी इतनी नायाब है कि सरकारी विभाग राष्ट्रीय और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को भेंट करने के लिए उनके फुलकारी उत्पाद खरीदते हैं। सरकार अन्य देशों को निर्यात करने के लिए भी उनके उत्पाद खरीदती है।

पूरी सुंदर नर्सरी में, सरस फूड फेस्टिवल 2025 की हर गली में यही उत्साह गूंज रहा था। 25 राज्यों से लगभग 300 लखपति दीदियाँ और स्वयं सहायता समूह उद्यमी 500 से ज्यादा व्यंजन और दर्जनों हस्तनिर्मित उत्पाद लेकर आए थे, जिससे दिल्ली भारत के जोश और उत्साह से भरे स्थल में बदल गई। यहां हवा में दाल बाटी चूरमा, मालाबार बिरयानी, हिमाचली सिड्डू और तंदूरी चाय की खुशबू थी, लेकिन हर खुशबू के पीछे एक महिला की कहानी थी, जो उसकी रेसिपी जितनी ही दिलचस्प थी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा डीएवाई-एनआरएलएम के अंतर्गत आयोजित सरस आजीविका मेले, ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को सीधे बेचने, बिचौलियों को खत्म करने और बाजार तक पहुँच के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करते हैं। पैकेजिंग, डिजाइन, संचार और विपणन पर कार्यशालाओं के जरिए ये मेले, उन्हें अपने उत्पादों को और बेहतर बनाने, आय बढ़ाने और देश भर और विदेशों के खरीदारों से जुड़ने के कौशल से लैस करते हैं।

वंदना दीदी के स्टॉल के ठीक सामने, ओडिशा की माँ एसएचजी की एक सदस्य ने अपनी हथकरघा उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई थी। 2019 में एसएचजी में शामिल होने के बाद, उन्होंने स्थानीय बिक्री से उठकर अपनी दुकान चलाने और खुदरा विक्रेताओं को उत्पाद उपलब्ध कराने का काम शुरू किया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

सेना के प्रति सम्मान:झंडा दिवस

झंडा दिवस यानी देश की सेना के प्रति सम्मान प्रकट करने का दिन। सशस्त्र सेना झंडा दिवस प्रत्येक वर्ष 7 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1949 से हर साल 7 दिसंबर को मनाया जाता है। झंडा दिवस का उद्देश्य भारत की जनता द्वारा देश की सेना के प्रति सच्ची श्रद्धा और सम्मान प्रकट करना है। सरहद की रक्षा के लिए हमारे जवान रात-दिन मुस्तैदी से राष्ट्र की सेवा में लगे रहते हैं।

तिरंगे की रक्षा के साथ ही सैन्य फ्लैग उनकी आन-बान-शान का प्रतीक है। उन जांबाज सैनिकों के प्रति एकजुटता दिखाने का दिन, जो देश की तरफ आंख उठाकर देखने वालों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए। देश की सीमा की सुरक्षा नौसेना, थल सेना एवं वायु सेना करती है। भारतीय सेना झंडा दिवस तीनों सेनाओं के जवानों के कल्याण के लिए मनाया जाता है।

इस दिन शहीदों और वीर सेनानियों के उन लोगों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने देश की रक्षा के किए दुश्मनों का मुकाबला किया है और अपना सब वुछ देश के नाम कर दिया है। सशस्त्र झंडा दिवस पर जांबाज सैनिकों व उनके परिजनों के प्रति नागरिक एकजुटता प्रर्दशित करने का दिन है। हर एक नागरिक का कर्तव्य है कि वे सात दिसंबर को सैनिकों के सम्मान व उनके कल्याण में अपना योगदान दें। इस दिन जो राशि एकत्र की जाती है, वह झंडा दिवस कोष में जमा कर दी जाती है। इस राशि का इस्तेमाल युद्धों में शहीद हुए सैनिकों के परिवार, हताहत हुए सैनिकों के कल्याण व पुनर्वास में खर्च की जाती है। यह राशि सैनिक कल्याण बोर्ड की माध्यम से खर्च की जाती है। देश के हर नागरिक को चाहिए कि वह झंडा दिवस कोष में अपना योगदान देकर देश के झंडे का सम्मान हमेशा बनाए रखे। 7 दिसंबर, 1949 से शुरू हुआ यह सफर आज तक जारी है।

आजादी के तुरंत बाद सरकार को लगने लगा कि सैनिकों के परिवार वालों की भी जरूरतों का ख्याल रखने की आवश्यकता है और इसलिए 7 दिसंबर को झंडा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इसके पीछे सोच थी कि जनता में छोटे-छोटे झंडे बांट कर दान अंजित किया जाएगा जिसका फायदा शहीद सैनिकों के आश्रितों को होगा। शुरूआत में इसे झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता था लेकिन 1993 से इसे सशस्त्र सेना झंडा दिवस का रूप दे दिया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरु ने कहा था, मैंने भारत और चीन के बॉर्डर का दौरा किया। मैं सेना के अधिकारियों और जवानों से मिला जो वहां पर अंतराष्ट्रीय मिशन से जुड़े हुए थे। मुझे उन्हें देखकर एक अजीब सा रोमांच पैदा हुआ जब मैंने देखा कि वह वैसे अपने अच्छे काम को एक ऐसी जगह पर अंजाम दे रहे हैं जो घर से काफी दूर और सूनसान है। उन्होंने आगे कहा, इससे भी ज्यादा मुझे यह देखकर काफी अच्छा लगा कि सैनिक आम जनता के बीच भी काफी लोकप्रिय थे। मुझे उम्मीद है कि देशवासी उनसे वुछ सीखेंगे और उनकी प्रशंसा करेंगे। फ्लैग डे पंड में योगदान देना भी उनकी इसी प्रशंसा का एक हिस्सा है। मोदी सरकार वेंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कर्मियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और परिवार के साथ बिताये जाने वाले समय में वृद्धि सुनिाित करने के लिए काम कर रही है, जो बहुत कठिन परिस्थितियों में भारत के सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। हम वैज्ञानिक रूप से यह सुनिाित करने के लिए भी काम कर रहे हैं कि प्रत्येक जवान को हर साल अपने परिवारों के साथ 100 दिन बिताने का मौका मिले।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और भागवत कथाकार श्री रमेशभाई ओझा के करकमलों से गुजरात की प्रथम महिला मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन

पार्टी ने ही किया है मेरे जीवन का निर्माण : श्रीमती आनंदीबेन पटेल

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता श्री अमित शाह :-

- श्रीमती आनंदीबेन का जीवन संघर्ष-शक्ति के बल पर आगे बढ़ने की एक प्रेरणादायी गाथा है
- 'पोजिशन' नहीं, बल्कि 'पर्पज' के लिए काम करने वाले नेताओं में से एक हैं श्रीमती आनंदीबेन
- श्रीमती आनंदीबेन 85 वर्ष की उम्र में जिस फुर्ती से यूपी के राज्यपाल के रूप में काम कर रही हैं, वह युवाओं के लिए प्रेरक है

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती आनंदीबेन पटेल की निष्ठा और कार्यक्षमता गुजरात के लोगों के दिल में आज भी अंकित है
- श्रीमती आनंदीबेन पटेल कुशल संगठक के अलावा उम्दा शासक भी सिद्ध हुईं हैं
- 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' पुस्तक नारी शक्ति को हमेशा प्रेरणा और आत्मबल देती रहेगी

गांधीनगर, 07 दिसंबर : गुजरात की प्रथम महिला मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के गुजराती संस्करण का विमोचन समारोह रविवार को अहमदाबाद में आयोजित हुआ। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और भागवत कथाकार भाई श्री रमेशभाई ओझा के करकमलों से इस पुस्तक का विमोचन हुआ।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने इस अवसर पर श्रीमती आनंदीबेन पटेल की संघर्ष-शक्ति और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि श्रीमती आनंदीबेन का जीवन संघर्ष-शक्ति के बल पर आगे बढ़ने की एक प्रेरणादायी गाथा है। इस पुस्तक में उनकी जीवन यात्रा के प्रेरणा बिंदुओं का सुंदर तरीके से वर्णन किया गया है। उन्होंने कहा कि आनंदीबेन ने सार्वजनिक जीवन में अपने संघर्ष और मजबूत नेतृत्व के जरिए संगठन निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है।

श्री अमित शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती आनंदीबेन के जीवन पर आधारित यह पुस्तक अनेक पाठकों के जीवन में प्रेरणा देने का काम करेगी।

श्री अमित शाह ने आगे कहा कि श्रीमती आनंदीबेन 'पोजिशन' के लिए नहीं, बल्कि 'पर्पज' के लिए काम करने वाले नेताओं में से एक हैं। वे जनहित के लिए एकजुटता के साथ काम करते रही हैं। आनंदीबेन ने गुजरात जैसे प्रगतिशील राज्य की मुख्यमंत्री, सांसद और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में सेवाएं दी हैं। निम्न एवं मध्यम वर्गीय सामान्य परिवार से आने वालीं आनंदीबेन पटेल लोगों के लिए लगातार संघर्ष करते हुए आगे आईं हैं। शिक्षक से लेकर सर्वोच्च पद तक की उनकी यात्रा भारतीय नारी शक्ति की दृढ़ता की मिसाल है।

श्री शाह ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के रूप में श्रीमती आनंदीबेन की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि 85 वर्ष की उम्र में भी वे उत्तर प्रदेश में जिस फुर्ती से काम कर रही हैं, वह युवाओं के लिए प्रेरक है और सभी के लिए गौरव का विषय है। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक जीवन में गुणात्मक सुधार लाने के प्रयास हुए हैं। उनके परिश्रम से उत्तर प्रदेश की लगभग यूनिवर्सिटियों ने यूजीसी रजिस्ट्रेशन पूर्ण किया है।

श्री अमित शाह ने संगठन के क्षेत्र में आनंदीबेन के योगदान की विशेष रूप

से सराहना की। उन्होंने कहा कि श्रीमती आनंदीबेन ने लोगों में से कार्यकर्ता खड़े किए हैं और यही आनंदीबेन की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने संगठन निर्माण के लिए एक योजना बनाई और गुजरात में प्रवास करके भाजपा को मजबूत बनाया। श्री शाह ने बूथ डॉक्यूमेंटेशन के श्री नरेन्द्र मोदी के विचार को पार्टी के विकास का प्रेरणास्रोत करार दिया और कहा कि आनंदीबेन सहित अन्य नेताओं के प्रयासों से भारतीय जनता पार्टी ने बूथ निर्धारित किए और नए सदस्यों को जोड़कर सदस्यता अभियान को गति दी। इसके परिणामस्वरूप पार्टी ने लगातार विकास किया और सत्ता में आ सकी।

उन्होंने आनंदीबेन के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षिका, समाज सेविका और राजनेता के रूप में उम्दा कार्य किया है। जीवन में संघर्ष करते हुए वे विधायक, शिक्षा मंत्री, राजस्व मंत्री, मुख्यमंत्री और तीन राज्यों की राज्यपाल बनीं हैं। राजस्व मंत्री के रूप में उन्होंने नर्मदा योजना के लिए भूमि अधिग्रहण का काम कम से कम समय में पूरा करने का देश में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया।

इस अवसर पर अपनी अनुभव गाथा का वर्णन करते हुए श्रीमती आनंदीबेन कहा कि सूखे के उन वर्षों में जब वे गुजरात में गांव-गांव घूम रही थीं, तब भाजपा के उस समय के नेताओं ने भाजपा में जुड़ने के लिए कहा और बड़ी जिम्मेदारी सौंपी, जिसने उनके राजनीतिक जीवन का निर्माण किया। उन्होंने भाजपा के भय, भूख और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के नारे को साकार करने के लिए उनके द्वारा लिए गए मजबूत निर्णयों के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी ने ही उनके जीवन का निर्माण किया है। उन्होंने घोषणा की कि इस पुस्तक की बिक्री से प्राप्त होने वाला सारा पैसा बेटियों की शिक्षा के लिए उपयोग में लिया जाएगा।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुजरात में अपने कामकाज के संबंध में बात करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में अपनी गतिविधियों के बारे में भी बताया। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुझाव के अनुसार आंगनबाड़ी से लेकर यूनिवर्सिटियों में शिक्षा का स्तर ऊंचा लाने के लिए उत्तर प्रदेश में प्रयास किए जा रहे हैं। इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि सरकार की योजनाओं का सही ढंग से कार्यान्वयन हो।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अटल निर्णय शक्ति, मजबूत संकल्प और धारा के विपरीत जाकर भी जनहित के कार्य करने के स्वभाव से हम सभी अवगत हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमती आनंदीबेन कुशल संगठक के अलावा उम्दा शासक भी साबित हुई हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनकी निष्ठा और कार्यक्षमता गुजरात के लोगों के दिल में आज भी अंकित है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज अनावरित हुई पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के शीर्षक में ही श्रीमती आनंदीबेन की प्रेरणादायी यात्रा की बात समाविष्ट हो जाती है। खरोड जैसे छोटे-से गाँव में जन्मीं श्रीमती आनंदीबेन ने देश के सबसे विकसित राज्य गुजरात की प्रथम महिला मुख्यमंत्री और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की राज्यपाल तक की यात्रा में जिन अनेक चुनौतियों का सामना किया, उनका विवरण इस पुस्तक में है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया 'चुनौतियां मुझे पसंद है' नारी शक्ति को सदा-सर्वदा प्रेरणा एवं आत्मबल देने वाली पुस्तक सिद्ध होगी। उन्होंने जोड़ा कि हर गुजराती के घर में तथा हर युवती के हाथ में यह पुस्तक होनी चाहिए।

देश की एकता व अखंडता को मजबूत करने के लिए आयोजित हुई कन्याकुमारी से कश्मीर तक की एकता यात्रा में प्रदेश महिला मोर्चे की अध्यक्ष के रूप में श्रीमती आनंदीबेन पटेल सहभागी हुई थीं और 26 जनवरी को जब श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा फहराया गया था, उस समय डॉ. मुरली मनोहर जोशी एवं वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित उपस्थित केवल दो-ढाई सौ लोगों में श्रीमती आनंदीबेन भी शामिल थीं। इस प्रसंग का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके ऐसे साहस एवं चुनौती से निपटने की सूझबूझ के उदाहरण इस पुस्तक में समाहित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कुशल संगठक के रूप में श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा सदस्यता अभियान में 14 लाख लोगों को पार्टी सदस्य के रूप में सफलतापूर्वक जोड़े जाने की घटना को भी याद किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षिका के रूप में कॅरियर शुरू करने वालीं आनंदीबेन ने शिक्षा मंत्री के रूप में गुजरात के गाँव-गाँव जाकर शिक्षा की ज्योत प्रज्वलित की थी। श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि एक विधायक, मंत्री एवं प्रथम महिला मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती पटेल ने महिला सशक्तिकरण, बालिकाओं की शिक्षा, जल संचय, स्वच्छता, सुशासन तथा विकास के अनेक क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती पटेल ने सदैव गुजरात की अस्मिता तथा प्रगति को सर्वोपरि रखा।

मेरा सिर कांप रहा था-मैं बस भागी', मौत के मुंह से निकलीं डांसर क्रिस्टीना शेख कौन हैं?

(जीएनएस)।

गोवा के अरपोरा स्थित लोकप्रिय नाइटक्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' में शनिवार (6 दिसंबर) रात को लगी भयानक आग ने एक बार फिर सुरक्षा मानकों की पोल खोल दी है। इस हादसे में 25 लोगों की जान चली गई, जिनमें चार पर्यटक और 14 कर्मचारी शामिल हैं, जबकि सात अन्य की पहचान अभी बाकी है। छह लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज जारी है। लेकिन इस तबाही के बीच एक

चमत्कारिक कहानी उभरकर आई है- कजाकिस्तान की प्रोफेशनल डांसर क्रिस्टीना शेख की।

मंच पर नाचते हुए आग की लपटों का सामना करने वाली क्रिस्टीना ने अपनी जान गंवाने से ठीक पहले एक क्रू मेंबर की सूझबूझ से बच निकलने का दिल दहला देने वाला बयान दिया है।

क्रिस्टीना शेख कौन हैं? एक नजर में उनकी प्रोफाइल

क्रिस्टीना शेख, मूल रूप से कजाकिस्तान की रहने वाली एक प्रतिभाशाली नृत्य कलाकार हैं, जो गोवा के रंगीन नाइटलाइफ का हिस्सा बनी हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका पूरा नाम या पारिवारिक पृष्ठभूमि ज्यादा सार्वजनिक नहीं है, लेकिन उन्हें 'प्रोफेशनल डांसर फ्रॉम कजाकिस्तान' के तौर पर जाना जाता है।

गोवा में वे रोमियो लेन के बर्च नाइटक्लब के अलावा थलासा ग्रीक ट्रैवर्ना रेस्तरां और अन्य लोकप्रिय स्पॉट्स पर परफॉर्म करती हैं। एक मां होने के नाते, वे अपनी बेटी के साथ गोवा में रहती हैं और पर्यटन राजधानी के क्लब सर्किट में अपनी ऊजार्वान डांस परफॉर्मेंस के लिए मशहूर हैं। वायरल वीडियो में उन्हें 'मेहबूबा ओ मेहबूबा' जैसे बॉलीवुड गानों पर थिरकते देखा जा सकता है, जो उनकी कला के प्रति समर्पण को दशार्ता है।

'डांस फ्लोर पर जश्न, फिर अचानक धुंआ और लपटें'

6 दिसंबर की रात करीब 12 बजे, जब क्लब 'बॉलीवुड बैंगर नाइट' के चरम पर था, क्रिस्टीना अपनी दूसरी परफॉर्मेंस के दौरान मंच पर थीं। लगभग 100 पर्यटक डांस फ्लोर पर मस्ती में डूबे थे। वायरल वीडियो में क्रिस्टीना को 'शोले' फिल्म के हिट गाने 'मेहबूबा ओ मेहबूबा' पर नाचते हुए दिखाया गया है, जहां भीड़ तालियां बजा रही है। लेकिन कुछ ही पलों में माहौल बदल गया- कंसोल के पीछे से आग की लपटें भड़क उठीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्रिस्टीना ने कांपती आवाज में बताया, 'मेरा प्रदर्शन चल रहा था। अचानक शॉर्ट सर्किट या गैस सिलेंडर ब्लास्ट की वजह से आग लग गई। संगीत बंद हो गया, और मैं स्तब्ध रह गई। मेरा सिर कांप रहा था, मैं बस रो रही थी और बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रही थी।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा पहला ख्याल चेंजिंग रूम जाने का था, जहां मेरे कपड़े थे। लेकिन एक क्रू मेंबर ने मुझे रोक लिया और चिल्लाया, 'वहां मत जाओ!' आग तो पहले से ही ग्रीन रूम और बेसमेंट में फैल चुकी थी। उनकी ये चेतावनी मेरी जान बचा गई।'

'घर पहुंचकर बेटी को लगाया गले'

क्रिस्टीना ने बताया कि क्लब के मैनेजर और स्टाफ ने तुरंत एक्शन लिया। लोग एक-दूसरे की मदद करते हुए मुख्य गेट की ओर भागे। लेकिन संकरी गलियां, पाम लीव्स से सजी अस्थायी संरचना और अपर्याप्त एग्जिट रूट्स ने बचाव को मुश्किल बना दिया। फायर ब्रिगेड को वाहन 400 मीटर दूर पार्क करने पड़े। क्रिस्टीना ने कहा, 'मैं भागी, लेकिन पीछे मुड़कर देखा तो धुंआ से सब कुछ ढक चुका था। घर पहुंचकर जब मैंने अपनी बेटी को गले लगाया, तभी पूरा डर महसूस हुआ। मैं जिंदा हूं, इसके लिए भगवान का शुक्रिया।'

हादसे की भयावहता: गैस ब्लास्ट और सुरक्षा चूक

पुलिस के मुताबिक, आग किचन एरिया में गैस सिलेंडर विस्फोट से शुरू हुई, जो तेजी से डांस फ्लोर और बेसमेंट तक फैल गई। ज्यादातर मौतें दम घुटने से हुईं, क्योंकि कई कर्मचारी किचन में फंस गए- जो एक 'डेड एंड' जैसा था। क्लब 2024 में खुला था, लेकिन लोकल पंचायत ने इसे बिना परमिशन के अवैध निर्माण घोषित किया था। डेमोलिशन नोटिस जारी हुए थे, लेकिन अपील पर रह गए। गोवा डीजीपी अलोक कुमार ने कहा, 'सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हुआ। हम दोषी हत्या का केस दर्ज कर चुके हैं।'

सरकारी प्रतिक्रिया: मुआवजा, जांच और सख्ती का वादा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस 'बेहद दुखद' हादसे पर शोक जताते हुए प्रत्येक मृतक के परिवार को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुदान राशि की घोषणा की। उन्होंने सीएम प्रमोद सावंत से बात की, जिन्होंने पीड़ितों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। सावंत ने घटनास्थल का दौरा कर कहा, ' गोवा जैसे पर्यटन राज्य के लिए ये दुर्भाग्यपूर्ण है। मैंने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। अवैध संचालन और सुरक्षा उल्लंघन वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।' क्लब मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मालिक के खिलाफ वारंट जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह , राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष नेता राहुल गांधी ने भी शोक संदेश दिए। राहुल ने इसे 'सुरक्षा और शासन की आपराधिक नाकामी' करार देते हुए पारदर्शी जांच की मांग की। कैलंगुट विधायक माइकल लोबो ने सभी क्लबों में फायर सेफ्टी ऑडिट का ऐलान किया।

भगदड़ के बाद आरसीबी का क्या होगा? कर्नाटक सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम को लेकर किया अंतिम फैसला

(जीएनएस)।

आईपीएल में पिछला सीजन जीतने के बाद आरसीबी के जश्न के दौरान बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई थी। उसके बाद कर्नाटक सरकार ने वहां मुकाबले आयोजित करने पर पाबंदी की बात कही। इस पर आरसीबी ने आगामी आईपीएल के लिए नए स्टेडियम की तलाश शुरू कर दी थी। अब एक बड़ी खबर सामने आई है।

कर्नाटक के डिप्टी चीफ मिनिस्टर डीके शिवकुमार ने रविवार को क्रिकेट प्रेमियों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की है कि बेंगलुरु का प्रतिष्ठित चिन्नास्वामी स्टेडियम भविष्य में भी इंडियन प्रीमियर लीग के मैचों की मेजबानी करता रहेगा।

डीके शिवकुमार ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) के अध्यक्षीय चुनावों में वोट डालने के बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जून 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) की IPL 2025 की जीत के बाद हुए जश्न के दौरान हुई दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन इसके कारण बेंगलुरु से क्रिकेट का रोमांच दूर नहीं होगा।

डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार और प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएँ न हों और चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट आयोजन बेंगलुरू के सम्मान को बनाए रखते हुए किए जाएँगे। उन्होंने अपने बयान से दर्शा दिया है कि आरसीबी के फैन्स को एक बार फिर से बेंगलुरु में ही मुकाबले देखने को मिलने वाले हैं।

कर्नाटक सरकार की योजना अधिक क्षमता वाला बड़ा स्टेडियम बनाने की भी है। फिलहाल मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे, यह घोषणा बेंगलुरु के क्रिकेट फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है, जो अपने घरेलू मैदान पर अपनी पसंदीदा टीम RCB को खेलते देखना चाहते हैं।

पहली बार टाइटल जीतने के बाद आरसीबी का जश्न हो रहा था, उस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई दुखद भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में 50 से अधिक लोग घायल भी हुए थे। फैन्स बड़ी संख्या में स्टेडियम के अंदर प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे।

15 साल से अटके मुंबई-गोवा हाईवे प्रोजेक्ट की डेडलाइन जारी, केंद्रीय मंत्री ने दिया अपडेट

(जीएनएस)।

मुंबई-गोवा हाईवे प्रोजेक्ट का काम पिछले 15 सालों से अटका पड़ा है। इस हाईवे के पूरा होने से पर्यटकों को राहत मिलेगी। साथ ही, पूरे कोंकण क्षेत्र की कनेक्टिविटी बहुत बेहतर होगी। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में इस हाईवे प्रोजेक्ट की नई डेडलाइन पर अपडेट दिया है। उनके अनुसार, कोंकण क्षेत्र से मुंबई की यात्रा अब पहले से ज्यादा सुगम और तेज होने वाली है। विंटर सेशन के दौरान महाराष्ट्र के तीन प्रमुख सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि हाईवे का काम अब अंतिम चरण में है।

गडकरी ने कहा कि वर्ष 2009 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट का 89% काम पूरा हो चुका है। बचे हुए काम को अप्रैल 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद अरविंद सावंत के सवाल के जवाब में उन्होंने यह जानकारी दी। यह हाईवे सड़कों, पुराने हाईवे और एक्सप्रेसवे नेटवर्क को जोड़ते हुए

कोंकण के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरता है।

कोंकण क्षेत्र की कनेक्टिविटी होगी बेहतर

- यह फोर-लेन हाईवे पनवेल, रत्नागिरी, गोवा और कई ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग होगा।
- पहले इसकी डेडलाइन 2025 तय की गई थी, लेकिन कई तकनीकी और प्रशासनिक वजहों से काम में देरी हुई।
- अब परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है और 2026 में इसे आम ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा।
- इस हाईवे के पूरा होने से पर्यटकों के साथ आम लोगों को फायदा मिलेगा। सड़क मार्ग से मुंबई से गोवा पहुंचने में सिर्फ 6 घंटे लगेंगे।

7,300 करोड़ की राशि से बन रहा हाईवे

अभी सड़क मार्ग से मुंबई से गोवा पहुंचने में करीब 12 घंटे लगते हैं। हाईवे खुलने के बाद यह यात्रा घटकर सिर्फ 6 घंटे रह जाएगी। 466 किमी लंबा यह हाईवे लगभग 7,300 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा है। इस हाईवे प्रोजेक्ट में सड़कों का चौड़ीकरण और नए एक्सप्रेसवे जैसे फीचर्स जोड़े जा रहे हैं। इससे यात्रा को तेज और सुरक्षित बनाएंगे। मानगांव, इंदापुर, पाली, लांजा, कोलाड और चिपलून में बाईपास, अंडरपास और फ्लाईओवर निर्माण से इन शहरों में भी ट्रैफिक के दबाव में कमी आएगी।

मुंबई-गोवा हाईवे के अलावा, धुले-पिंपलगांव फोर-लेन रोड को सिक्स-लेन में बदलने की मंजूरी भी दी गई है। वहीं पुणे-कोल्हापुर रोड अगले एक साल के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।

चिड़चिड़ेपन का खेलों पर दुष्प्रभाव और उनकी होम्योपैथिक चिकित्सा :----डॉ एम डी सिंह

उल्लास उमंग और उत्साह किसी भी खेल के स्थाई भाव हैं, जिनके मूल में हैं उत्सव और आनंद। इस तरह खेल में चिड़चिड़ापन को कोई जगह नहीं। यदि किसी खिलाड़ी में चिड़चिड़ापन आया तो वह खेल भावना को आघात पहुंचाएगा। हॉकी, फुटबॉल, बास्केट बाल, हैंड बाल, जैसे टीम गेम में जानबूझकर फाउल करने वाले खिलाड़ी चिड़चिड़ापन के शिकार होते हैं। उन्हें रेफरी द्वारा खेल के बीच में पीला अथवा लाल कार्ड दिखाकर अस्थाई अथवा स्थाई रूप से मैच से बाहर कर दिया जाता है जो उनकी टीम के लिए हार का कारण बन सकता है। ऐसे खिलाड़ी अपने कोच मैनेजर और स्क्वायड के अन्य साथियों के साथ भी अभद्रता से पेश आते हैं।

चिड़चिड़ापन खिलाड़ी की एकाग्रता को भंग करता है। विपक्षी खिलाड़ी और टीम ऐसे खिलाड़ी को टारगेट करते हैं और जानबूझकर इरिटेट कर उसके खेल को प्रभावित कर देते हैं। ऐसा हर स्तर के प्रत्येक टीम गेम में निरंतर दिखाई पड़ता है। और खेल की एक स्वाभाविक हिस्से की तरह दिखाई पड़ता है किंतु होता नहीं।

कोच अथवा होम्योपैथिक चिकित्सक ऐसे लूज टेंपर्ड खिलाड़ियों की पहचान कर

निम्नलिखित में से किसी एक दवा का चयन करके उसे खिलाड़ी की समस्या का समाधान कर सकते हैं।

1- एकोनाइट नेपलस :

जब कोई खिलाड़ी तेज रफ्तार खेल के मध्य अचानक उत्तेजित होकर लड़ पड़े तो इस दवा की एक खुराक उसे शांत कर देगी।

2- बेराइटा कार्ब :

इस दवा का स्वभावगत लक्षण है खिलाड़ी का अकेले रहना और अकेले खेलना। ऐसा स्वभाव चिड़चिड़ापन का सबसे बड़ा कारण है। इस दवा के हजार पोटेंसी की एक खुराक बिना बताए पहले से ही खिला दिया जाए तो उस खिलाड़ी का स्वभाव ही बदल जाएगा।

3- कैमोमिला :

बात बे बात अनावश्यक लड़ना-झगड़ना।

4- मेडोरिनम :

यदि कोई खिलाड़ी तारीफ में भी पीठ थपथपाने पर क्रोधित हो जाए तो इस दवा की 1000 शक्ति की एक खुराक बिना बताए देकर उसके इस स्वभाव से छुटकारा पाया जा सकता है।

5- लैकेसिस :

उच्च रक्तचाप की वजह से खिड़की में चिड़चिड़ापन उत्पन्न होना।

6- कैलकेरिया कार्ब :

कभी यदि कोई कोच कुछ खिलाड़ियों के साथ विशेष लगाव दिखाए और कुछ को कम अहमियत दे तो ऐसी अवस्था खेल की भावना को विकृत करेगी। ऐसी अवस्था में खिलाड़ियों में चिड़चिड़ापन उत्पन्न होना स्वाभाविक है। इस स्थिति में खिलाड़ी को नहीं कोच को बिना बताए इस दवा के 200 शक्ति की एक खुराक देनी पड़ेगी ताकी वह सारे खिलाड़ियों के साथ समान रूप से लगाव दिखाए।

टिप्पणी-

(यदि मनोरोगियों को बता कर दवा दिया जाए तो उनका मन दवा को अस्वीकार कर देगा, क्योंकि वह अपने को रोगी मानेगा ही नहीं।)

जैंत पुलिस ने दबोचे दो अन्तर्राज्यीय वाहन चोर : चोरी के तीन ट्रैक्टर और दो बाइक बरामद

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) थाना जैंत क्षेत्र स्थित नगला रामताल-गरूणगोविंद मंदिर रोड़ से पुलिस ने दो अन्तर्राज्यीय शातिर वाहन चोरों को दबोच लिया। पकड़े गए शातिरों के कब्जे से दो चोरी की बाइक और 3 ट्रैक्टर बरामद हुए हैं। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी जैंत उमेशचन्द्र त्रिपाठी और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा पुलिस टीम के साथ वाहन चोर गैंग की तलाश में सुराग तलाश रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि नगला रामताल के पास गरूणगोविंद रोड़ पर दो अन्तर्राज्यीय वाहन चोर खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उमेशचन्द्र त्रिपाठी और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा पुलिस टीम में एसआई केशव वशिष्ठ, एसआई संजीव कुमार, एसआई संदीप कुमार, सर्विलांस के मुख्य आरक्षी परवेन्द्र सिंह और थाना जैंत के मुख्य आरक्षी विश्वेन्द्र कुमार, संदीप कुमार, पुष्पेन्द्र कुमार, पीताम्बर सिंह तथा योगेश कुमार के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम की गाड़ियों को देखकर वहां खड़े शातिर वाहन चोर भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गनेश पुत्र किशन निवासी भरना खुर्द थाना बरसाना और आदिल पुत्र जुम्मा निवासी नगला ढेर थाना बरसाना को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से चोरी के 3 ट्रैक्टर, 2 बाइक और 6 फर्जी नंबर प्लेट बरामद की हैं। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों से पूछताछ कि उन्होंने बताया कि वह अपने फरार साथी भीम पुत्र लाखन निवासी आइई थाना जैंत जिला और दीपक उर्फ दीपा पुत्र गंगा सिंह निवासी गांव उलाऊ थाना टुंडला जिला फिरोजाबाद के साथ मिलकर ट्रैक्टर चोरी करते थे। पुलिस द्वारा बरामद किए गए ट्रैक्टर नोएडा, इटावा और मथुरा से चोरी किए थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, लखनऊ ने 10वां संस्थापक दिवस मनाया

लखनऊ, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, 10वें स्थापना दिवस झ ह्यड्रीम डिकेड'का भव्य उत्सव अत्यंत हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। यह अवसर सांस्कृतिक सौंदर्य, कलात्मक अभिव्यक्ति और सामूहिक गर्व से सराबोर रहा। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में पर्यावरणविद् स्वामी प्रेम परिवर्तन (पीपल बाबा) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चेयरमैन श्री शिशिर जयपुरिया, प्राचार्या, उप-प्राचार्या, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके पश्चात ह्यशिव स्तुति'की मधुर प्रस्तुति ने वातावरण को भावपूर्ण, शांति एवं शुभता से आलोकित कर दिया।

प्राचार्या सुश्री पूनम कोचिट्टी एवं उप-प्राचार्या ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, सह-शैक्षणिक उपलब्धियाँ, नवाचार आधारित अधिगम तथा समग्र विकास की पहलुओं को विस्तार से रेखांकित किया गया।

चेयरमैन श्री शिशिर जयपुरिया ने विद्यालय की निरंतर प्रगति की सराहना करते हुए नैतिक मूल्यों पर आधारित, भविष्य-दृष्टि से युक्त शिक्षा के महत्व पर बल दिया।

इसके पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें विद्यालय, जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। ओलंपियाड, वाद-विवाद, कला एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ, खेल, एमयूएन तथा प्रौद्योगिकी नवाचार—सभी क्षेत्रों के मेधावी छात्रों को उनके परिश्रम और उपलब्धियों के लिए सराहना मिली।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के संयुक्त सत्र ने विद्यार्थियों को नई दृष्टि और प्रेरणा प्रदान की।

स्वामी प्रेम परिवर्तन ने अपने भाषण में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, वृक्षारोपण और सार्थक जीवन जीने के संदेश दिया ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम अपनी विविधताओं और विषयगत समृद्धि के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

कर्टेन रेजर नामक सृजनात्मक अंग्रेजी नाटक ने आइंस्टाइन और अरस्तु के संवाद के माध्यम से विद्यालय की उपलब्धियों और शिक्षण वातावरण की अनोखी प्रस्तुति दी।

ह्यअरजझसुनो बनवारी'की सुरीली प्रस्तुति और ह्याम्यूज़िकल ब्लास्ट'ने मंच को ऊर्जा से भर दिया।

ह्यसफरनामा झ द जर्नी ऑफ लाइफ'ने जीवन की यात्राओं एवं परिवर्तनों को भावपूर्ण अभिनय के माध्यम से चित्रित किया।

ह्यफोक फ़्यूजन'ने भारतीय लोक-संस्कृति की छटा को आधुनिक ताल के साथ जोड़ते हुए शानदार प्रस्तुति दी।

ह्यशिव टू सैफायर सिम्फनी'ने विषयगत गहराई जोड़ी, जबकि ह्यद व्हील्स ऑफ टाइम (2016झ 2025)'ने विद्यालय के एक दशक के रूपांतरण को रचनात्मकता और भावनात्मकता के साथ प्रस्तुत किया।

इस वर्ष का विशेष आकर्षण ह्यद डिगी इनोवेटर्सह्व रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने माइन्क्राफ्ट के माध्यम से विद्यालय परिसर का डिजिटल मॉडल, छात्र-निर्मित रोबोट, तथा अंक के विभिन्न उपकरण—एयर ट्रेस, स्टोरीस्फेयर और फिजिटल (अक्ह्य अफ इंटीग्रेशन) प्रस्तुत कर विद्यालय की तकनीकी प्रगति का प्रभावी प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का समापन ऊजार्वान ग्रैंड फि नाले और तत्पश्चात राष्ट्रीय गान के साथ हुआ, जिसने सभी में एकता और राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री पंकज राठौर के द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें सभी अतिथियों, प्रस्तुतकताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल का यह 10वाँ स्थापना दिवस विद्यालय की एक दशक की उपलब्धियों, उत्कृष्टता की परंपरा और भविष्य की प्रगतिशील दृष्टि का प्रेरणादायी प्रतिबिंब रहा।

बीसीसीआई और एडिडास ने ऑल न्यू टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2026 जर्सी का अनावरण किया

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑफिशियल किट स्पॉन्सर, एडिडास ने रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई) के साथ साझेदारी में ऑल-न्यू टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2026 जर्सी का अनावरण किया है। यह जर्सी सबसे पहले इस स्टेडियम में मौजूद लोगों ने देखी, जब भारत और दक्षिण अफ्रीका के वन डे इंटरनेशनल मैच में नाटकीय रूप से अपने असली आकार में यह जर्सी पेश की गई। इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट के साथ पूरा स्टेडियम जश्न के माहौल में डूब गया था। एडिडास इंडिया के जीएम, विजय चौहान ने कहा, ह्याह्यएडिडास हमारे क्रिकेटर्स को विश्वस्तर का परफॉर्मेंस गियर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हर जर्सी उस खिलाड़ी या फैन की कहानी कहती है, जो इसे पहनता है। हर जर्सी एक विरासत प्रदर्शित करती है। बीसीसीआई के साथ हमें भारतीय क्रिकेट फैंस के बीच इस जर्सी का अनावरण करने की खुशी है। हम चाहते हैं कि आगामी टूर्नामेंट्स, खासकर वर्ल्ड कप में देश इन रंगों को गर्व के साथ पहने।''भारतीय क्रिकेटर और एडिडास एथलीट, रोहित शर्मा ने कहा, ह्याह्यक्रिकेट फैन के रूप में उत्साह बढ़ाने से लेकर देश के लिए ट्रॉफी लाने तक इस खेल ने मुझे पूरे जीवन की यादें दी हैं। अब मैं एक नए

अध्याय की शुरूआत कर रहा हूँ, लेकिन गर्व अभी भी वही है। यह नई टीम इंडिया जर्सी हमें याद दिलाती है कि चाहे आप स्टैंड में हों या मैदान पर, हम सभी एक ही रंग पहनते हैं और भारत के लिए एक ही सपने में यकीन रखते हैं।''जर्सी के इस ऐतिहासिक अनावरण से एडिडास और बीसीसीआई का फैन्स को गेम के करीब लाने और इस जर्सी को खिलाड़ियों, फैन्स और देश के बीच एकजुटता का शक्तिशाली प्रतीक बनाने का लक्ष्य उजागर होता है। इस नई जर्सी में बोल्ड और पुराने डिजाईन तत्वों के साथ आधुनिक उच्च-परफॉर्मेंस सिल्हुएट है। इसकी प्रेरणा 1990 की पट्टीदार जर्सी से ली गई है। किट में रेट्रो ट्विस्ट के साथ आधुनिक इनोवेशन के पैटर्न पेश किए गए हैं, जबकि नेकलाईन 2024 टी20 विश्व कप विजेता जर्सी से ली गई है। गर्म मौसम से निपटने के लिए इसमें एडिडास के लेटेस्ट क्लाईमाकूल$ मटेरियल के साथ बॉडी-मैप्ड 3डी इंजीनियर्ड मैकेनिकल स्ट्रेच फैब्रिक्स दिया गया है, जो पसीने को ज्यादा तेजी से सोखता है, जिससे खिलाड़ी ज्यादा लंबे समय तक सूखा हुआ महसूस करते हैं। परफोरेटेड और चौड़े 3 पट्टी वाले टेप ब्रेदेबिलिटी प्रदान करते हैं। वहीं पर फैब्रिक और ट्रिम्स पर मेश होल इसे हवादार बनाते हैं, जिससे खराब से खराब मौसम में भी सबसे अच्छा वैंटिलेशन मिलता है।

हिंद नगर में 14 दिसम्बर से विशाल शिव महापुराण कथा तथा विशाल रुद्र महायज्ञ

लखनऊ। होटल ऑलीव क्राउन,आशियाना मे विशाल शिव पुराण कथा के आयोजन को लेकर एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। कथा उपाध्यक्ष रंजना मिश्रा ने कहा कि राजधानी की पावन धरा पर एक भव्य एवं दिव्य आध्यात्मिक आयोजन होने जा रहा है जिसमें परम पूज्य श्री प्रशांत प्रभु जी महाराज के श्री मुख से श्री शिव महापुराण कथा की अमृत वर्षा एवं राष्ट्र रक्षा हेतु विशाल रूद्र महायज्ञ का आयोजन 14 दिसंबर से 25 दिसंबर तक होगा।पत्रकार वार्ता दौरान सर्वप्रथम परम पूज्य श्री प्रशांत प्रभु जी महाराज को कथा अध्यक्ष मधु यादव,रंजना मिश्रा,सर्वेश तिवारी,कर्नल शिव नारायण तिवारी एवं शैलेन्द्र तिवारी आदि गणमान्यो ने मलायर्पण

और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

कथा का समय सायं काल 4:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक तथा रुद्र महायज्ञ का समय रोजाना सुबह 8 बजे से 12 बजे तक रहेगा। धर्म कलश यात्रा का आयोजन 14 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से महाकालेश्वर धाम मंदिर सेक्टर - एफ विस्तार आशियाना से शुरू होगा। 25 दिसंबर को एक हजार आठ पार्थिव शिवलिंगो का महारुद्राभिषेक होगा। विशाल शिव पुराण कथा के संगरक्षक भाजपा विधायक टी.राजेश्वर सिंह है।

संविधान दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लखनऊ । भारतीय नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व प्रदान करने वाले भारत के सर्वोच्च विधान के स्वीकृति दिवस पर भारतीय संविधान के निमार्ता, परम पूज्य बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर को सादर नमन।

कांशीराम कालोनी के बुध्द विहार में सभी लोग एकत्रित होकर संजय कुमार बौध्द, बुध्द दीप सौरभ, प्रदीप कुमार, अंश कुमार, सन्तराज, रामप्रीत, आर्यन, सन्जू बौध्द, पूजा बौध्द, कुसम बौध्द भगवान बुध्द भगवान बुद्ध और बाबा साहेब को पुष्प एवं श्रध्दांजलि अर्पित किए तथा संविधान पर चर्चा की गयी।

गांधीनगर में आयोजित अर्थ समिट का समापन ग्रामीण विकास को तकनीक से गति देने के सशक्त संदेश के साथ संपन्न.

गांधीनगर, 7दिसंबर 2025: कृषि और ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय बैंक (नाबार्ड) तथा इंटरनेट एवं मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय अर्थ समिट 2025-26 का गांधीनगर संस्करण आज महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं प्रदर्शनी केंद्र में संपन्न हुआ।

समिट का विषय ह्यवैश्विक परिवर्तन के लिए ग्रामीण नवाचार को सशक्त बनाना'था, जिसने नवाचारकताओं, एफपीओ, एग्री-स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों, ग्रामीण सहकारी बैंकों, सामुदायिक संस्थानों, नीति-निमार्ताओं और उद्योग जगत के नेताओं को एक साथ लाया। गांधीनगर संस्करण में ग्रामीण विकास को गति देने और सामुदायिक नेतृत्व वाले विकास को समर्थन देने में सहकारिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।

सतत ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण पर आयोजित फायरसाइड चैट में नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के.वी. ने भारत के सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा, सहकारिताएँ भारत जैसे देश में सतत और समान विकास हासिल करने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, जहाँ हर क्षेत्र विकास के अलग-अलग चरण में है। भारत में अब 8.5 लाख से अधिक सहकारी समितियाँ हैं, जिनके लगभग 30 करोड़ सदस्य हैं अर्थात प्रत्येक चार में से एक भारतीय। फिर भी, इसकी उपयोगिता को कम आंका गया है और इसकी क्षमता का अभी भी पूरा उपयोग नहीं हुआ है ह्व आगे की दिशा पर बात करते हुए उन्होंने शासन को आधुनिक बनाने और समावेशन को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया।

भारत में स्मार्ट फार्मिंग से आगे बढ़कर वास्तविक रूप से लचीली कृषि की दिशा में हो रहे बदलाव में एआई, रोबोटिक्स और डेटा-आधारित समाधानों की भूमिका पर आयोजित पैनल चर्चा के दौरान, नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक श्री गोवर्धन सिंह रावत ने कहा कि एग्री 5.0 को गति देने का प्रमुख अवसर खेतों, किसानों और कृषि प्रणालियों के लिए एक मजबूत, संरचित डिजिटल डेटा आधार तैयार करने में निहित है। उन्होंने उल्लेख किया कि सरकार का एग्री-स्टैक और डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, जो डेटा के मानकीकरण में सहायक हैं और बड़े पैमाने पर डिजिटल समाधान विकसित करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि उभरती प्रौद्योगिकियाँ सस्ती और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनी रहें, जिससे इनका जमीनी स्तर पर व्यापक रूप से अपनाया जा सके। एफपीओ को सूचना के माध्यम से सशक्त बनाने पर आधारित एक सत्र को संबोधित करते हुए, नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक डॉ. अजय कुमार सूद ने इस बात पर जोर दिया कि कृषि-डेटा विनिमय की पूरी क्षमता को प्राप्त करने के लिए किसानों, बैंकों और सरकारी एजेंसियों सहित सभी प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाने वाला एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सहकार सारथी की तर्ज पर एक ऐप विकसित करने की अनुशंसा करते हुए कहा कि एफपीओ साथी जैसी कोई समाधान प्रणाली एफपीओ के पास पहले से उपलब्ध लगभग 300 डेटा बिंदुओं को स्थिर रिकॉर्ड से एक गतिशील और रियल-टाइम संसाधन में बदल सकती है।

गांधीनगर अर्थ समिट में रूरल इनोवेशन एक्सपो एक प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरा, जिसने तकनीक-आधारित उद्यमिता की तेज प्रगति को प्रदर्शित किया। इसमें 90 स्टॉल शामिल थे, जिनमें एफपीओ, सहकारी संस्थाएँ और एग्रीटेक नवप्रवर्तकों की मजबूत भागीदारी रही। प्रदर्शकों ने यह उजागर किया कि डिजिटल उपकरण, बेहतर बाजार संपर्क और आधुनिक कृषि-समाधान ग्रामीण समुदायों में आर्थिक अवसर और परिचालन दक्षता को किस तरह तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रदर्शनी में जनजातीय और महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों की उल्लेखनीय भागीदारी भी देखने को मिली, जिसने समिट की समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

एक्सपो ने भारत सरकार के माननीय केंद्रीय गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उस दृष्टि को प्रतिबिंबित किया, जिन्हें होंने समिट के उद्घाटन संबोधन में यह जोर देकर कहा था कि भारत के गांवों का विकास, देश की प्रगति का मूल आधार है।

अर्थ समिट 2025-26 को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, तथा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय सहित प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों का सहयोग प्राप्त है।

डिलीवरी बॉय को लूटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) थाना राया क्षेत्र स्थित बरेली हाईवे अंडरपास के निकट से पुलिस ने जमैटो के डिलीवरी बॉय से लूट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी राया रविभूषण शर्मा और चौकी प्रभारी राया कट महेन्द्र सिंह भदौरिया पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि जमैटो के डिलीवरी बॉय से लूट करने वाले बदमाश मथुरा-अलीगढ़ रोड़ स्थित बरेली हाईवे अंडरपास के निकट खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रविभूषण शर्मा और चौकी प्रभारी राया कट महेन्द्र सिंह भदौरिया पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए।

पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे बदमाश दिशांत चौधरी उर्फ विष्णु पुत्र रामप्रकाश सिंह निवासी गांव सरदारगढ़ थाना राया और विकास कुंतल पुत्र संजय सिंह निवासी नगला देविया थाना मगोर्रा को घेराबंदी करके पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के पास से डिलीवरी बॉय का लूटा हुआ मोबाइल और घटना में प्रयुक्त मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों ने लूट करने के लिए ऑर्डर करके जमैटो से फास्ट फूड मंगाया था। इसके बाद डिलीवरी बॉय को लूटा था। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर 'मातृ सम्मान विशेष' कार्यक्रम की प्रस्तुति।

सांस्कृतिक मंच पर नृत्य और संगीत का भव्य आयोजन।

लखनऊ झ 7 दिसम्बर 2025: स्मृति उपवन, आशियाना में चल रहे हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव के सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी पूर्व विधायक गौरीगंज अमेठी एवं सदस्य विधान परिषद माननीय पवन सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर लखनऊ संयुक्ता भाटिया,एडवोकेट मनीष सिंह मनु,ओपी सिंह प्रबंधक गुरुकुल एकेडमी गौरीगंज आयोजक अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा, रनवीर सिंह और हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। सांस्कृतिक मंच पर आज स्तुतिनृत्यम फाउण्डेशन और विश्वमंगल्य सभा के संयुक्त तत्वाधान में विविध नृत्य एवं संगीत प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत कर दिया। इस कार्यक्रम में प्रतिभा सोनकर विनर रही। सांस्कृतिक संध्या में सरस्वतिकाश्रम के मनीष ठाकुर संयोजक में नन्हे कलाकार—कृषा, प्रिशा, समृद्धि और चमता भाटिया—ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियाँ देकर दर्शकों की वाहवाही लूटी। इसके बाद स्विंग विदिन फ्लो समूह की शास्विका, त्रिशा, शोना भार्गव और आमायरा ने नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ देकर मंच को सजाया। इसके उपरांत डी डांस अकादमी ने नृत्य निर्देशक विकास शर्मा के निर्देशन में ऊजार्वान प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम में डेन्जरस पर प्रस्तुति, बॉलीवुड मिश्रित गीत, बच्चों की

प्रस्तुति तथा बॉलीवुड मिश्रण जैसे विविध नृत्य क्रम शामिल रहे। हिमांशु, प्रथम, यशमित, एंजल ने मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया। इसके साथ ही अपराजिता नृत्य एवं कला केंद्र की अपराजिता मुखर्जी ने भी अपनी कला से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम के अंत में मंजू श्रीवास्तव के धुन बंजारा समूह ने सांझी सुरमई और लोकनृत्यों की श्रृंखला प्रस्तुत कर वातावरण को रोमांचित कर दिया। कलाकार—मनीष त्रिपाठी, रिया सिंह, सुमित सिंह, शेखर श्रीवास्तव, वर्षा मिश्रा, ऋचा, वीरेंद्र यादव और शशि कुशवाहा—ने पंजाबी, सिंधी, ब्रज और बुंदेली लोकशैली के नृत्यों से दर्शकों को आनंदित किया। इस दौरान महोत्सव समिति के मोनालिसा, रोली जयसवाल, मनोज सिंह चौहान एवं विवेक सिंह, रोली सिंह चौहान उपस्थिति रही। मंच का संचालन प्रदीप शुक्ला ने संयमित और प्रभावशाली शैली में किया।

आचार्य स्वदेश बने आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. के प्रधान : मथुरा में किया स्वागत

-निष्क्रिय आर्य समाजों को किया जाएगा सक्रिय : आचार्य स्वदेश

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) वेद मंदिर के अधिष्ठाता आचार्य स्वदेश महाराज के आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर के प्रधान बनने पर रविवार को पगड़ी और फूल मालाएं पहना कर भव्य स्वागत किया गया। डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स लखनऊ मंडल के आदेश के क्रम में विगत 5 दिसंबर को आचार्य स्वदेश महाराज की कमेटी को मान्यता प्रदान की गई थी। इसके बाद 6 दिसंबर को उन्होंने आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के लखनऊ कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया था। रविवार को आचार्य स्वदेश महाराज के मथुरा आगमन पर आर्य समाज के कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत करते हुए सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रधान बनने पर आचार्य स्वदेश महाराज का स्वागत करते हुए सत्यप्रिय आर्य प्रधान व अन्य।

कि बहुत लंबे समय के संघर्ष के बाद यह सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि विगत शनिवार को लखनऊ जाकर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कहा कि प्रदेश में जो भी आर्य समाजें निष्क्रिय पड़ी हैं, उन्हें पुनः सक्रिय किया जाएगा और जो लोग अवैध रूप से आर्य समाजों को कब्जा किए हुए हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर स्वागत करने वालों में आचार्य सत्यप्रिय आर्य प्रधान, साहब सिंह अग्रे, रामप्रकाश आर्य, डा. विवेक प्रिय आर्य, संतोष आर्य और शिवदीप आर्य आदि मौजूद रहे।